REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 13 | ISSUE - 12 | SEPTEMBER - 2024

"डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक' का हिंदी कथा साहित्य ; एक सकारात्मक दृष्टिकोण"

श्रीमती स्वाति ग्वाडी[1] , डॉ.ममता कुंवर[2]
[1]शोधार्थी, हिंदी विभाग, हिमालयीय विश्वविद्यालय देहरादून.
[2]हिंदी विभाग, हिमालयीय विश्वविद्यालय देहरादून.

सारांश

डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक' का हिंदी कथा साहित्य, एक सकारात्मक दृष्टिकोण निशंक जी के जीवन की एक सकारात्मक व्यथा है जो कि आपकी लेखनी के माध्यम से समाज को देखने का नजरिया व समस्याओं को उजागर करने का माध्यम रहा है।शब्दों के माध्यम से एक दिशा को निर्देशित करना डॉ. रमेश की लेखनी का एक स्वरूप रहा है जो सामाजिक विचारधारा, प्रकृति प्रेम और जन समुदाय पर विशेष रूप से अपनी छाप दिखाता रहता है। डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक' का हिंदी कथा साहित्य में योगदान शीर्षक निशंक जी के साहित्य विवेचना, रचना संसार, कहानियां, उद्देश्य व आपके नैतिक मूल्य, व्यक्तित्व विकास, बाल साहित्य, पर्यटन, संस्कृति, यात्रा वृतांत, निशंक जी की राजनीतिक बिंदुओं को स्पर्श करने वाला एक छोटा सा परिदृश्य है आप जितने प्रतिभाओं के धनी हैं उनको एक शोध पत्र मात्रा में संजोना शायद एक अतिशयोक्ति होगी आपके साहित्य सर्जन का शोधार्थियों द्वारा लिया जाने वाला लाभ व आपके कार्यों का विभिन्न दार्शनिक पहलू व विभिन्न पात्रों के माध्यम से एक विस्तृत अध्ययन इस शोध पत्र में किया गया है

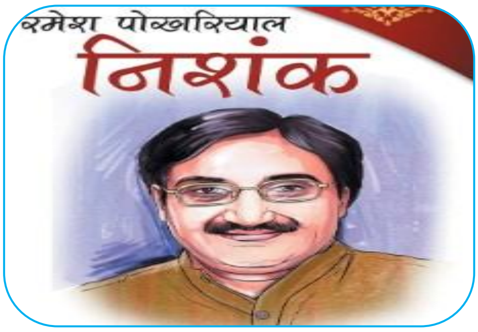

प्रस्तावना

प्रकृति का सौंदर्य और वास्तविकता जीवन के विभिन्न आयाम कठिनाइयां और उनके निवारण के साधन संसाधन को ऋतियां और जीवन जीने की कला विभिन्न प्रकार के वास्तविक स्वरूपों का एक परिदृश्य आपकी लेखनी के माध्यम से सदैव समाज को एक सही दिशा की ओर अग्रसर करता रहा है डॉ रमेश पोखरियाल निशंक एक वैचारिक क्रांति है जो समाज में सदैव अपनी एक अनूठी छाप निछावर करती रही है।विचारों की अभिव्यक्ति का साधन चाहे कोई भी विधा हो, महत्व तो इस बात का है कि उसकी संवेदनशीलता का मानक कितना उच्च कोटि का है। विवेच्य लेखक ने हिंदी साहित्य को विपुल कथा- साहित्य दिया है।उनके विचारों की आगाध सारणी निरंतर प्रवाहित हो रही है और गर्व इस बात का है कि ऐसे साहित्यकार जिन्होंने अपनी संवेदना से देश ही नहीं वरन विदेशों में अपना परचम फैलाया है, वे देवभूमि उत्तराखंड में जन्मे, यही पले और यहीं से वे

विचार तंतुओं की निर्मित प्रारंभ कर विश्वव्यापी साहित्य का लेखन कर रहे हैं। उत्तराखंड की पावन भूमि ने ना केवल देश पर मर मिटने वाले वीर सैनिकों को जन्म दिया वरन् उनके शौर्य को अपने शब्दों से ओजस्वी बनाने वाले अनेक साहित्यकारों को भी जन्म दिया है। वीर प्रसूता देवभूमि एक और हिमालय को मुकुट को समान धारण करती है तो दूसरी ओर गोमुख से गंगा कल्याणमयी मां के समान इसे निर्मल कर रही है। संयोग है कि इस भूमि का जहां पर्वत पुत्री गिरजा और शंकर के प्रतीक आज भी अपनी जीवंतता से याद किए जाते हैं इसी धरती पर रमेश पोखरियाल निशंक का भी जन्म **15 जुलाई 1959** उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद के एक छोटे से गांव पीनानी में हुआ है जिन्होंने कर्म योगी के समान जमीन से जुड़कर एक गांव के सीधे सरल व्यक्ति की तरह अपना जीवन पहाड़ों के कठोर संघर्षो से प्रारंभ किया कहा जाता है कि पहाड़ के दुख पीड़ा पहाड़ से भी बड़ी होती है किंतु यह भी सकते हैं कि यहां का नौजवान अपने अदम्य साहस और कठोर परिश्रम से इन संघर्षो के बीच भी अपना रास्ता खोज कर उसे सरल बनाता है। निशंक जी की जीवन यात्रा इस सूत्र की साक्षी है। डॉक्टर योगेंद्र नाथ शर्मा अरुण के शब्दों में देवात्मा हिमालय की पावन देवभूमि के समर्पित साहित्य साधक डॉ रमेश पोखरियाल निशंक हिंदी जगत के ऐसे चर्चित एवं प्रतिष्ठित रचनाकारों में गिने जाते हैं जिनका रचना संसार साहित्य मूलतः जीवन मूल्यों की अनवरत सारस्वत- साधना का प्रतीक बन चुका है (पवार, कपिल देव, 2020)। राष्ट्रीय चेतना के प्रखर कवि डॉक्टर निशंक ने जहां अपनी काव्य साधना के माध्यम से प्रखर राष्ट्रवाद एवं सांस्कृतिक जागरण का मंत्र फूंका है, वही अपने कथा साहित्य के माध्यम से उन्होंने सामाजिक , आर्थिक ,राजनीतिक, सांस्कृतिक ,धार्मिक एवं भौगोलिक परिवेश को अत्यंत सशक्त जीवन अभिव्यक्ति भी प्रदान की है।

विवेचना

वर्तमान समय में डॉ रमेश पोखरियाल निशंक एक राष्ट्रवादी कवि एक अच्छे राजनीतिज्ञ व देश हित पर अपने बहुमूल्य योगदान देने व अपने उत्कृष्ट कार्यो से ख्याति प्राप्त बहुमूल्य प्रतिभाओं के धनी हैं आपने विषय की उपयोगिता महत्व एवं अध्ययन का उद्देश्य आधुनिक हिंदी मैं बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं, सही अर्थो में आधुनिक हिंदी साहित्य की पथ प्रदर्शक व निर्माता के रूप में कार्य कर रहे हैं बाल्यावस्था से ही सुविधाओं की कमी व संसाधनों का अभाव आपके स्वभाव व आपके विचारों को झंझार नहीं पाया व आपने अपने कार्यो और देश हित में राज्य हित में सदैव तत्पर लगे रहे आप एक शिक्षक की भूमिका में भी वाइट शिक्षा मंत्री की भूमिका में भी अग्रणी कार्य करते रहे साथ ही आधुनिक हिंदी साहित्य में जन जागरण एवं देश प्रेम और राष्ट्रीय विचारधारा की पृष्ठभूमि निशंक ने ही पैदा की और उत्कृष्ट कार्य आज भी कर रहे हैं उन्होंने अतीत के स्वर्णिम प्रश्नों को वर्तमान आवश्यकता में प्रस्तुत किया और स्वयं वर्तमान की अपने तरीके से व्याख्या की आपके साहित्य की अनेक विधाओं में रचनाकर उनमें भारत दर्शन भारत की सौंदर्य था व विभिन्न आयामों से दर्शन का वर्णन किया है नाटक निबंध काव्य सभी पर उन्होंने अपनी लेखनी चलाई है साथ ही पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उनका योगदान उच्च कोटि का है आपने साहित्य क्षेत्र में विभिन्न कार्य और प्रतिभाओं का अपना परिचय दिया है भारतवर्ष में नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में हिंदी साहित्य को एक उच्च स्थान प्राप्त करवाने में सहयोग प्रदान किया है आपकी ख्याति अन्य देशों में भी सर्वमान्य व प्रभावशाली रही है और आज भी आप अपने अमूल्य समय में से हिंदी साहित्य को अपना समय देते रहते हैं जिससे शोधार्थी को आपके द्वारा रचित रचना साहित्य में कार्य करने की प्रेरणा मिली है। भारत के सांस्कृतिक महत्व को बताने वाले बहुत से ग्रंथों का निशंक जी ने सृजन एवं अनुवाद किया उन्होंने भारत के अनेक तीर्थ स्थानों नदियों शहरों इत्यादि का भी गौरव पूर्ण वर्णन किया है सांस्कृतिक चेतना की दृष्टि से उनका साहित्य बड़ा ही महत्वपूर्ण है उनका मूल्यांकन अभी तक नहीं किया गया है इसकी आवश्यकता है भारतीय संस्कृति के

उदात्त मूल्यों को उजागर करने की आवश्यकता है खेद की बात है कि उनके इस महत्वपूर्ण कार्य के संबंधित कोई शोध कार्य हिंदी में नहीं हुआ है इसी अभाव को पूरा करने के उद्देश्य से प्रस्तुत शोध कार्य की योजना बनाई गई है।

अगर हम निशंक जी के कविताओं की बात करें तो उन्होंने अपनी कविताओं के द्वारा राष्ट्रीयता की भावना का भरपूर प्रसार किया है उनकी कुछ प्रमुख कविताएं संपूर्ण, नवांकुर, मुझे विधाता बनना है, तुम भी मेरे साथ चलो, देश हम जलने ना देंगे, जीवन पथ में, मातृभूमि के लिए, कोई मुश्किल नहीं, ए वतन तेरे लिए, संघर्ष जारी है, सजन के बीज, अंधेरा जा रहा है, भूल पाता नहीं, मृगतृष्णा, परीक्षा लेती जिंदगी, इत्यादि है।

कहानियां क्या नहीं हो सकता, भीड़ साक्षी है, बस एक ही इच्छा, रोशनी की एक किरण, खड़े हुए प्रश्न, विपदा जीवित है, एक और कहानी, मेरे संकल्प, मील के पत्थर, टूटते दायरे, अंतहीन, केदारनाथ आपदा की सच्ची कहानियां, वह जिंदगी, निशंक की सर्वश्रेष्ठ 21 कहानियां, कथाएं पहाड़ की, इत्यादि हैं।

निशंक जी के उपन्यास, मेजर निराला, बीरा, निशांत, छूट गया पड़व, अपना-पराया, पहाड़ से ऊंचा, पल्लवी, प्रतिज्ञा, भागोवाली, कृतध्न, शिखरों के संघर्ष इत्यादि हैं। निशंक जी के व्यक्तित्व विकास/जीवनी, सफलता के अचूक मंत्र, भाग्य पर नहीं परिश्रम पर विश्वास न करें, संसार कायरों के लिए नहीं (स्वामी विवेकानंद का जीवन प्रबंधन), सपने जो सोने ना दे (डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर), हिमालय में स्वामी विवेकानंद, युगपुरुष भारत रत्न अटल जी, एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय, इत्यादि।

निशंक जी के बाल साहित्य, आओ सीखें कहानियों से, स्वामी विवेकानंद जीवनी, कर्म योगी स्वामी विवेकानंद, शिकागो में स्वामी विवेकानंद, आगे पढ़ो: स्वामी विवेकानंद, सकारात्मक सोच: स्वामी विवेकानंद आदि है।

पर्यटन/संस्कृति/धर्म, धरती का स्वर्ग उत्तराखंड भाग 1 हिमालय का महाकुंभ नंदा राजजात, धरती का स्वर्ग उत्तराखंड भाग 2 स्पर्श गंगा (उत्तराखंड की पावन जलधाराये), धरती का स्वर्ग उत्तराखंड भाग 3, अलौकिक सौंदर्य (उत्तराखंड के नैसर्गिक स्थल) भारतीय संस्कृति, सभ्यता एवं परंपरा, विश्व धरोहर गंगा (गंगा एवं उत्तराखंड की पावन नदियां), विश्व शांति एवं आस्था का महापर्व: विश्व धरोहर -महाकुंभ, विश्व का सबसे बड़ा महा प्रबंधन महाकुंभ 2010।

डायरी/संस्मरण/यात्रा वृतांत, मेरी कथा मेरी व्यथा (शहीद के पत्रों का संकलन), मॉरीशस की स्वर्णिम स्मृतियां, प्रलय के बीच (केदारनाथ आपदा का सचित्र वर्णन), आपदा के वह भयावह पल, एक दिन नेपाल में, खुशियों का देश भूटान, भारतीय संस्कृति का संवाहक इंडोनेशिया, मेरी बेल्जियम यात्रा, इत्यादि है।

निशंक जी के निबंध विषय और शैली की दृष्टि से विविधता पूर्ण है उन्होंने इतिहास समाज धर्म राजनीति यात्रा प्रकृति वर्णन एवं व्यंग विनोद जैसे विषयों पर निबंधओं की रचना की आपने सामाजिक व समाज में उन्होंने सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार किए है।

निशंक जी कविताओं में आधुनिकता का सूत्रपात हुआ उन्होंने युग चेतना की चुनौती को स्वीकार किया इनका काव्य, काव्य तथ्यों की कसौटी पर महत्वपूर्ण है वही इसके ऐतिहासिक महत्व से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता उनकी प्रमुख कविताएं है नवांकुर, मुझे विधाता बनना है, तुम भी मेरे साथ चलो, देश हम जलने ना देंगे, जीवन पथ में, मातृभूमि के लिए, कोई मुश्किल नहीं, ए वतन तेरे लिए, संघर्ष जारी है, सजन के बीज, अंधेरा जा रहा है, भूल पाता नहीं, मृगतृष्णा, परीक्षा लेती जिंदगी, आदि।

निशंक जी ने राजनीतिक तथा सामाजिक जीवन में भी उनकी महत्वपूर्ण शिरकत रही स्वामी विवेकानंद, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, हिमालय में स्वामी विवेकानंद, युगपुरुष भारत रत्न अटल जी, एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय, इत्यादि के प्रकाशन के जरिए उन्होंने जन जागरण का काम किया इसके अतिरिक्त उनका स्पोर्ट साहित्य भी बहुत है

इस शोध प्रबंध में उस पर भी प्रकाश डाला जाएगा या कहना कतई गलत ना होगा कि सदी के हिंदी समाज का लोक वित्त निशंक इस युग में सामाजिक साहित्यिक राजनीतिक एवं सांस्कृतिक बदलाव का वाहन बनने वाली कई महत्वपूर्ण संस्थाओं की स्थापना निशंक ने कि व सही अर्थों में भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत एक देश प्रेमी साहित्यकार है जिनका समस्त हिंदी संसार सदैव ऋणी रहेगा।

निशंक जी की शोध साहित्य व आपके लेखन की विरासत इतनी विस्तृत है की उसको लेकर शोधार्थी अनेकों प्रकार से व विभिन्न विषयों पर आपकी भाषा शैली का शोध कार्यों में अध्ययन समय-समय पर करते रहते हैं जिसके कुछ एक उदाहरण अगर लिखित हैं **कपिल देव पवार, (2020)** द्वारा शीर्षक “डॉ रमेश पोखरियाल निशंक के कथा साहित्य में लोक तत्वों की अभिव्यंजना”, पर पीएचडी थीसिस पर हिंदी विभाग हेमंती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय द्वारा किया गया जिसमें आपके निशंक जी के साहित्य में लोक तत्वों का अध्ययन करते हुए उनका विस्तृत वर्णन किया गया है **कु.सोनिका रानी (2013)** द्वारा शीर्षक डॉ रमेश पोखरियाल निशंक का कथा साहित्य वस्तु तत्व और शिल्प विधाए, पर पीएचडी थीसिस पर हिंदी विभाग कुमाऊं यूनिवर्सिटी नैनीताल द्वारा किया गया जिसमें आपके निशंक जी के साहित्य में कथा साहित्य वस्तु तत्व और शिल्प विधाए पर आपके द्वारा किया गया **सविंद्र शर्मा, (2017)** रमेश पोखरियाल निशंक के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना पर पीएचडी थीसिस पर हिंदी विभाग कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी हरियाणा द्वारा किया गया।

निष्कर्ष

निशंक जी के मानव मूल्यों और साहित्य सृजन व आपके लेखन के दृष्टिकोण से उपरोक्त निष्कर्ष पर हम यह कह सकते हैं की निसंदेह आपके लेखन व साहित्य सृजन की मूल रचना व भाव देशहित भारतीय संस्कृति हिंदी समाज व संपूर्ण जगत के लिए एक धरोहर है और आपके साहित्य विषय में किए गए कार्यों का विभिन्न प्रकार से देश कल्याण व विश्व शांति के लिए एक अग्रणी भूमिका रखता है आपके कथा साहित्य उपन्यास कविताओं व शोध साहित्य की स्मृतियां, आपका लेखन और सोच संसार को एक सही दिशा और दशा की ओर ले जाती है एक कवि के रूप में प्रकृति का सौंदर्य या फिर एक राजनेता के रूप में राजनीतिक परिदृश्य या फिर एक सामान्य व्यक्ति के रूप में मानव मूल्य और मानव की विभिन्न समस्या में पथ प्रदर्शक के रूप में आपने अपने कथा साहित्य में समय-समय पर विभिन्न दार्शनिकों व विभिन्न पात्रों के माध्यम से एक वास्तविक स्वरूप संसार के सामने जागृत किया है जो एक सोत ही नहीं अपितु भविष्य के शोधार्थियों के लिए भी शोध का विषय बने हैं और भविष्य में बनते रहेंगे निसंदेह आप प्रतिभाओं के धनी और भविष्य के लिए एक उदाहरण है।

संदर्भ सूची

1. पवार कपिल देव, (2020) “डॉ रमेश पोखरियाल निशंक के कथा साहित्य में लोक तत्वों की अभिव्यंजना”, पीएचडी थीसिस हेमंती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय,pp(2).
2. डॉ निशंक का रचना संसार, शिखर साहित्य प्रकाशन पौड़ी,2022.
3. अपना पराया, डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, प्रभात प्रकाशन दिल्ली 2010
4. प्रतिज्ञा, डॉ रमेश पोखरियाल निशंक, प्रभात प्रकाशन दिल्ली, 2013
5. भागोवाली, रमेश पोखरियाल निशंक, प्रभात प्रकाशन दिल्ली, 2015
6. एक और कहानी, रमेश पोखरियाल निशंक, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली, 2008

7. वाह जिंदगी, रमेश पोखरियाल निशंक प्रभात प्रकाशन दिल्ली, 2016
8. जीवन पथ में, रमेश पोखरियाल निशंक हिंदी साहित्य निकेतन बिजनौर, 2009
9. सपने जो सोने ना दे, रमेश पोखरियाल निशंक डायमंड बुक्स नई दिल्ली, 2016
10. कथाकार निशंक के उपन्यासों में जीवन मूल्य, डॉक्टर योगेंद्र नाथ शर्मा अरुण, डायमंड बुक्स दिल्ली, 2017
11. कहानी, नई कहानी, नामवर सिंह लोक भारती प्रकाशन, 2012
12. डॉ निशंक के काव्य में इंद्रधनुषी, योगेंद्र नाथ शर्मा अरुण, हिंदी साहित्य निकेतन बिजनौर, 2019